चिन्ता सीता रामान्जनेलु

अकादेमी पुरस्कार : कूचिपूडि नृत्य

आन्ध्रप्रदेश के कूचिपूडि गांव में 19 सितम्बर 1922 में जन्मे, श्री चिंता सीता रामान्जनेलु को कूचिपूडि नृत्य की शिक्षा अपने पिता नारायण मूर्ति और अपने भाई चिंता कृष्णमूर्ति से प्राप्त हुई। नर्तकों और संगीतकारों के परिवार में से एक, आपने इस पारंपरिक कला का प्रशिक्षण वेदांतम पर्वतीशम, वेम्पति वेंकटनारायण, चिंता वेंकट रमैया, एवं चिंता आदिनारायण से भी प्राप्त किया। कूचिपूडि यक्षगान के अतिरिक्त, आपने इन गुरुओं के संरक्षण में प्रशिक्षण के दौरान अष्टापदी, जावली, तथा तरंग में विशेषज्ञता प्राप्त की। आपने नट्टुवंगम और गायन में भी शिक्षा ग्रहण की है।

एक कलाकार के रूप में श्री रामान्जनेलु के जीवन की शुरूआत तब प्रारंभ हुई जब 1950 के दशक में वह कूचिपूडि कलाक्षेत्र में नृत्य का प्रशिक्षण देने के लिए कृष्णा जिले के गुडीवड़ा शहर में आए। वर्ष 2000 में उन्होंने गुडीवड़ा में अपना संस्थान स्थापित कर लिया था। जिसका नाम था भारती कूचिपूडि नृत्य अकादमी, जहां वह कूचिपूडि नृत्य का प्रशिक्षण देते हैं। आज आपके बहुत से शिष्यों को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त है।

श्री रामान्जनेलु की गणना कूचिपूडि नृत्य के प्रतिष्ठित कलाकारों और शिक्षकों में की जाती है। आपने कुचिपुड़ी नाटकों में पुरुष और महिला दोनों की भूमिका में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, भामाकलापम में भगवान कृष्ण, भामा, और माधवी की भूमिका, ऊषा परिणयम में ऊषा और चित्रलेखा की भूमिका, विप्रनारायण में अर्चकस्वामी और कावेरी की भूमिका, तिल्लोत्तम में राजा सुंदा की भूमिका, गोल्लाकलापम में गोल्लाभामा और सूत्रधारी की भूमिका, भक्तप्रहलाद में प्रहलाद और हिरण्यकश्यप की भूमिका निभाई. प्रतिष्ठित नृत्य कार्यक्रमों में कला प्रदर्शन करने के अतिरिक्त, आपने प्रतिष्ठित संस्थानों के संरक्षण में कूचिपूडि नृत्य पर व्याख्यान–प्रदर्शन और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आपने बहुत सी नृत्य–नाटिकाओं का नृत्य निर्देशन भी किया है, जैसे सागरसौधम, भक्त कन्नप्पा, भीष्म प्रतिज्ञा, मनभारतम–महाभारतम, स्वतंत्रोद्यम सम्वकरम, तथा मोहिनी भस्मासुर।

श्री चिंता रामान्जनेलु को पोट्टी श्री रामुलु तेलुगू विश्वविद्यालय द्वारा सिहेन्द्र नर्तना पुरस्कार (2012) से सम्मानित किया गया है।

श्री चिंता सीता रामान्जनेलु को कुचिपुड़ी में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।